Shivaji University, Kolhapur

Course Work for Ph.D. / M.Phil. (Hindi)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

कोर्स वर्क

पीएच्.डी./एम्.फिल. (हिंदी)

जून 2020 से

* Note: 80 marks for theory exam and for 20 marks for presentation of review of published papers in National/International Journals for Ph.D. Course work and 10 + 10 marks seminar and review of paper respectively for M. Phil Course.

Course Work

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल,

जून 2020-21 से, पीएच.डी./एम.फिल. (हिंदी)

प्रश्नपत्र –I

अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया

Research Methodology (Theory)

उद्देश्य–

- शोध कर्ताओं को अनुसंधान की प्रविधि से अवगत कराना।

- अनुसंधान की प्रक्रियाओं से परिचित कराना।

- अनुसंधान में संगणक (कम्प्युटर), इंटरनेट,

ईमेल आदि का शोध कार्य में प्रयोग से परिचित कराना।

इकाई 1

अनुसंधान कार्य में डाटाबेस प्रबंधन तंत्र।

कम्प्युटर डाटाबेस फाईल की कार्यप्रणाली।

इंटरनेट द्वारा अनुसंधान।

इंटरनेट का अनुसंधान संबंधी जानकारी।

इंटरनेट का अनुसंधान कार्य में प्रयोग –

(इंटरनेट माध्यमों का संचालन, संवाद, चर्चा, पत्रलेखन, सहजोड पत्र, ई–किताब, शोध पत्रिका की खोज, तथ्यपरकता की खोज, शोध के लिए 'गुगल स्कॉलर्स' का प्रयोग, शोध साहित्य की ऑनलाईन खोज।

डीटीपी सॉफ्टवेअर इन हिंदी, पेजमेकर प्रकाशन, वेबपेज डिझाइन, प्रेझेंटेशन व्हिडिओ मेकिंग।

ई–लायब्रेरी, ई–बुक्स, ई–सेमिनार, ई–वेबिनार, पेपर प्रेजेन्टेशन, रिसर्च पेपर पब्लिकेशन, पब्लिकेशन गाईडलाईन, पेपर सबमिशन।

इकाई 2

अनुसंधान की परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकार।

हिंदी अनुसंधान का विकास।

अनुसंधान कार्य में प्राक्कल्पना का महत्त्व, अनुसंधान पद्धतियाँ।

साहित्यानुसंधान की वैज्ञानिक पद्धतियाँ।

हिंदी अनुसंधान की दार्शनिक पद्धतियाँ।

हिंदी की ऐतिहासिक अनुसंधान पद्धतियाँ।

हिंदी की समाज वैज्ञानिक अनुसंधान पद्धतियाँ।

इकाई 3

अनुसंधान कार्य में आकडों का संकलन।

सांख्यिकी, आसंग सारणी एवं रिसर्च।

आधुनिक सांख्यिकीय माध्यम।

अनुसंधान कार्य में वस्तुनिष्ठता, प्रश्नावली, साक्षात्कार, अनुसूची का महत्त्व।

प्रयोगात्मक अनुसंधान अभिकल्प के प्रकार, सर्वेक्षण तथा

अनुसंधान में अंतर।

इकाई 4

अनुसंधान की प्रक्रिया।

अनुसंधान कार्य के घटक, तत्व, और सामग्री।

हिंदी अनुसंधान कार्य स्तिथि एवं संभावनाएँ।

अनुसंधाना की उपयुक्तता और सीमा निर्धारण।

शोध विषय का चुनाव, स्वरूप और उद्देश्य।

रूपरेखा – शोध प्रबंध प्रस्तुतीकरण, शोध प्रबंध का लेखन।

अनुसंधान और आलोचना का पारस्पारिक संबंध।

तुलनात्मक अनुसंधान, अनुसंधान और चिंतन।

हिंदी अनुसंधान साहित्य का इतिहास एवं उपलब्धियाँ।

संदर्भ ग्रंथ –

1. अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया– डॉ.मधु खराटे, डॉ.शिवाजी देवरे, विदया प्रकाशन, कानपुर।
2. हिंदी अनुसंधान वैज्ञानिक पद्धतियाँ – डॉ.कैलाशनाथ मिश्र, विनय प्रकाशन, कानपुर।
3. अनुसंधान सर्जन एवं प्रक्रिया – डॉ.अर्जुन तडवी, चिंतन प्रकाशन, कानपुर।
4. आधुनिक अनुसंधान एवं साक्षात्कार खंड 1 और 2 – डॉ सरोजनी कंसल, विनय प्रकाशन, कानपुर।
5. शोध प्रविधि अद्यतन दृष्टि– डॉ.मंगेश दीक्षित, विनय प्रकाशन, कानपुर।
6. अनुसंधान : एक विवेचन– डॉ.ओमप्रकाश शर्मा, निराली प्रकाशन, पुणे।
7. हिंदी अनुसंधान का स्वरूप– डॉ.भ.ह.राजुरकर और डॉ.राजमाल वोरा।
8. नवीन शोध विज्ञान– डॉ.तिलकसिंह।
9. पाढालोचन– सिद्धान्त और प्रक्रिया– डॉ.निकिलेस कांति।
10. www.google.link

प्रश्न पत्र का स्वरूप			**अंक 100**
प्रश्न 1	इकाई–1	संक्षिप्त उत्तर लिखिए।(चार में से दो)	25
प्रश्न 2	इकाई–2	दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ।	25
प्रश्न 3	इकाई–3	टिप्पणियाँ लिखिए। (चार में से दो)	25
प्रश्न 4	इकाई–4	दीर्घोत्तरी प्रश्न। (अंतर्गत विकल्प के साथ)	25

हिंदी एम.फिल./पीएच.डी. कोर्स वर्क

प्रस्तुत कोर्स वर्क का निर्माण विश्वविदयालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल के अनुसार।

समकक्षता

अ.क्र.	पुराना कोर्स वर्क	अ.क्र.	नया कोर्स वर्क
1.	प्रश्नपत्र क्र. 1	1.	प्रश्नपत्र क्र. 1
2.	प्रश्नपत्र क्र. 2	2.	प्रश्नपत्र क्र. 2
3.	प्रश्नपत्र क्र. 3	3.	प्रश्नपत्र क्र. 3
	(वैकल्पिक)		(वैकल्पिक)
	प्रश्नपत्र – अ.		प्रश्नपत्र – अ.
	प्रश्नपत्र – आ		प्रश्नपत्र – आ
	प्रश्नपत्र – इ		प्रश्नपत्र – इ
	प्रश्नपत्र – ई		प्रश्नपत्र – ई
	प्रश्नपत्र – उ		प्रश्नपत्र – उ
	प्रश्नपत्र – ऊ		प्रश्नपत्र – ऊ
	प्रश्नपत्र – ए		प्रश्नपत्र – ए

Course Work

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल,

जून 2020 से, पीएच्.डी./एम्.फिल. (हिंदी)

प्रश्नपत्र–II

हिंदी साहित्य अध्ययन के अधुनातन आयाम

उद्देश्य–

- हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि से परिचित कराना।
- साहित्य के विविध मतवादों का अध्ययन कराना।
- साहित्य और भारतीय समाज व्यवस्था का अध्ययन कराना।
- साहित्य में प्रतिबिंबित विविध विमर्श का अध्ययन कराना।
- आधुनिक हिंदी साहित्य के आलोचकों से परिचय कराना।
- हिंदी साहित्य के अधुनातन आयामों से परिचय कराना।
- साहित्य का अंतर विद्या शाखातंर्गत अध्ययन कराना।

इकाई 1. हिंदी साहित्य से संबंधित विशिष्ठ वैचारिक वाद।

गांधीवाद, समाजवाद, संरचनावाद, मार्क्सवाद, लोकतंत्रवाद।

इकाई 2. हिंदी साहित्य : विविध विमर्श।

दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श, वैश्विक विमर्श, अल्पसंख्याक विमर्श।

इकाई 3. अनुसंधान और आलोचना/समीक्षा।

अनुसंधान और आलोचना साम्य, अनुसंधान और आलोचना वैषम्य, अनुसंधान की विविध पद्धतियां , आलोचना के विविध भेद/प्रकार, शोधकर्ता और शोध निर्देशक के गुण शोध।

इकाई 4.आधुनिक हिंदी आलोचना के निर्माता।

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, डॉ.नगेंद्र, डॉ.नामवर सिंह, डॉ.रामदरश मिश्र।

संदर्भ ग्रंथ–

1. प्रभा खेतान, स्त्री उपेक्षिता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. डॉ.अर्जुन चव्हाण, विमर्श के विविध आयाम, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. डॉ.अर्जुन चव्हाण, समकालीन उपन्यासों की वैचारिक पृष्ठभूमि, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. डॉ. अर्जुन चव्हाण, सदी का श्रेष्ठ साहित्य और साहित्यकार, अमन प्रकाशन, कानपुर।
5. डॉ.ओमप्रकाश शर्मा, साहित्य : विविध वाद, निराली प्रकाशन, पुणे।
6. डॉ.के.एस.मालती, स्त्री विमर्श :भारतीय परिप्रेक्ष्य 2010, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. कृष्णदत्त पालीवाल, दलित साहित्य बुनियादी सरोकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. राममूर्ति त्रिपाठी, अर्धशति का भारतीय काव्य चिंतन पक्ष और विपक्ष, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
9. शिवकुमार मिश्र, दर्शन साहित्य और समाज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. कृष्णदत्त पालवाल हिंदी आलोचना का सैद्धांतिक आधार वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत विवेचन – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, शैलजा प्रकाशन, यशोदानगर, कानपुर – 11 ।
12. देवीशंकर अवस्थी, रचना और आलोचना, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. डॉ.बच्चन सिंह, साहित्य का समाजशास्त्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
14. डॉ. प्रकाश चिकुर्डेकर, रामदरश मिश्र के उपन्यासों में समाज जीवन, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली।
15. डॉ.ओमप्रकाश शर्मा, अनुसंधानः एक विवेचन, निराली प्रकाशन, पुणे।

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक वितरण		अंक 100
प्रश्न 1	संक्षिप्त उत्तर लिखिए । (चार में से दो)	25
प्रश्न 2	दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ।	25
प्रश्न 3	टिप्पणियाँ लिखिए । (चार में से दो)	25
प्रश्न 4	दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ।	25

Course Work

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल,

जून 2020 से, पीएच्.डी./एम्.फिल. (हिंदी)

प्रश्नपत्र III (वैकल्पिक)

आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य

उद्देश्य–

- आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य के उद्भव, विकास का अध्ययन कराना।
- आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य विकास के समसामायिक परिवेश का अध्ययन कराना।
- आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य की प्रवृत्तियों का अध्ययन कराना।
- आदिकालीन एवं मध्यकालीन कवियों तथा उनकी कृत्तियों से परिचित कराना।
- छात्रों को विशेष कवि तथा उनकी काव्यकृतियों के महत्व तथा उनके सामाजिक दायित्व बोध से परिचित कराना।

इकाई–1आदिकालीन एवं मध्ययुगीन काव्यधाराएँ।

1. आदिकालीन काव्य– कालावधि, परिवेश, कवि विशेषताएँ अथवा प्रवृत्तियाँ।
2. पूर्व मध्यकालीन काव्य– कालावधि, परिवेश, कवि विशेषताएँ अथवा प्रवृत्तियाँ।
3. उत्तर मध्यकालीन काव्य– कालावधि, परिवेश अथवा परिस्थितियाँ, कवि विशेषताएँ अथवा प्रवृत्तियाँ।

इकाई–2निर्गुण काव्यधारा

1. कबीर– 'कबीर ग्रंथावली'–आ.हजारीप्रसाद द्विवेदी (संपादक)
2. जायसी– 'पद्मावत'–आ.रामचंद्र शुक्ल (संपादक)

इकाई–3सगुण काव्यधारा

1. सूरदास– 'सूरसागर'–सूरदास।
2. तुलसीदास– 'रामचरितमानस'–तुलसीदास।

इकाई–4 रीति काव्यधारा

1. शिवराज भूषण।
2. बिहारी–बिहारी सतसई।

संदर्भ ग्रंथ–

1. आ.शुक्ल रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास–नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. डॉ. सिंह बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास–राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. डॉ. राजपाल हुकुमचंद, प्राचीन तथा मध्यकालीन काव्याधारा भाग 1 हरियाणा साहित्य अकादमी, हरियाणा 1979।
4. डॉ.चतुवैदी परशुराम, उत्तर भारत की संत परंपरा, साहित्य भवन, प्रयाग।
5. डॉ.त्रिपाठी राममूर्ति, आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल 1973।
6. डॉ.जोशी शिवलाल, रीतिकालीन साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, साहित्य सदन, डेहराडून प्र. स. 1962।
7. आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी, (संपादक), कबीर, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
8. आ.शुक्ल रामचंद्र (संपादक), जायसी नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
9. डॉ.तिवारी रामचंद्र, रीतिकाव्याधारा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. आ.चतुर्वेदी परशुराम संतबानी संग्रह, कबीर साहित्य , चिंतन स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद।
11. सूरदास, सूरसागर, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
12. तुलसीदास, रामचरित्रमानस, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
13. डॉ. रामचंद्र तिवारी, रीति काव्य धारा, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
14. डॉ.ओमप्रकाश शर्मा, सूरदास एक पुनरावलोकन, निराली प्रकाशन,पुणे।

प्रश्न पत्र का स्वरूप		अंक 80
प्रश्न 1	संक्षिप्त उत्तर लिखिए ।(चार में से दो)	20
प्रश्न 2	दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ।	20
प्रश्न 3	टिप्पणियाँ लिखिए । (चार में से दो)	20
प्रश्न 4	दीर्घोत्तरी प्रश्न। (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20

.----------

Course Work

शिवाजी विश्वविद्लाय, कोल्हापुर

पीएच.डी. / एम.फिल. हिंदी

प्रश्नपत्र–III (वैकल्पिक)

आधुनिक हिंदी कविता

उद्देश्य :

- आधुनिक हिंदी कविता के विकास का अध्ययन कराना।
- आधुनिक हिंदी कविता की विकास प्रक्रिया के समसामायिक परिवेश का अध्ययन कराना।
- आधुनिक हिंदी कविता की विकास प्रक्रिया के हर दौर की काव्य प्रवृत्तियों अथवा विशेषताओं का अध्ययन कराना।
- आधुनिक हिंदी कविता के विभन्न काव्य रूपों का अध्ययन कराना।
- विशिष्ट आधुनिक कवियों की काव्य कृतियों अथवा कविताओं का अध्ययन कराना।
- छात्रों को आधुनिक कवियों तथा उनकी काव्यकृतियों को परिचित कराना।
- छात्रों को पठीत कवि तथा उनकी काव्य कृतियों के महत्त्व एवं उनके सामाजिक दायित्व बोध से परिचित कराना।

इकाई I आधुनिक हिंदी कविता : विकास

i– कालावधि और नाम–भारतेंदु, महावीरप्रसाद द्विवेदी, छायावादी, उत्तर छायावादी, प्रगतिवादी, प्रयोगावादी, नई कविता, समकालीन कविता, साठोत्तरी कविता ।

ii–परिवेश अथवा परिस्थितियाँ ।

iii–कवि तथा रचनाएँ ।

iv–विशेषताएँ अथवा प्रवृत्तियाँ ।

इकाई II अध्ययनार्थ कृत्तियाँ–भाग– I

i–पंचवटी : मैथिलीशरण गुप्त, साकेत प्रकाशन, राष्ट्रकवि निवास, चिरगांव, झांसी।

ii–दीपशिखा : महादेवी वर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली ।

इकाई III अध्ययनार्थ कृत्तियाँ–भाग–II

i–राग विराग : सुर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', लोकभारती प्रकाशन, 15 अ, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद–1

ii–कुरूक्षेत्र : रामधारी सिंह 'दिनकर' राजपाल एण्ड सन्स कश्मीरी गेट, दिल्ली।

इकाई IV–अध्ययनार्थ कृत्तियाँ–भाग–III

i–विश्व ज्योति बापू : डॉ.रामगोपाला शर्मा, 'दिनेश',वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

ii–गूंगा नहीं था मैं : जयप्रकाश कर्दम, विकल्प प्रकाशन, दिल्ली–18।

संदर्भ ग्रंथ–

1. शील बोधी : दलित साहित्य की वैचारिकी और जयप्रकाश कर्दम अकादमीक प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली।
2. डॉ.सुनिल बनसोडे, श्री.सचिन कांबळे – कवि जयप्रकाश कर्दम : एक अध्ययन, विनय प्रकाशन, कानपुर।
3. बलदेव वंशी–आधुनिक हिंदी कविता में विचार,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली–2009।
4. तनुजा मुजुमदार–आधुनिक हिंदी स्वच्छंदतावादी, कविता में सार्वभौमिकता।
5. सं.विनोद गोदरे–आधुनिक प्रबंध काव्य–संवेदना के धरातल ।
6. डॉ.नगेंद्र–भारतीय काव्य मैं सर्वधर्म समभाव।
7. डॉ.विश्वंभरनाथ उपाध्याय–भारतीय काव्य विमर्श।
8. प्रेमशंकर– भारतीय स्वच्छदतावाद और छायावाद।
9. हरमोहन लाल सूद– भारतीय स्वच्छंदतावाद और छायावाद।
10. सचिन कांबळे : कवि जयप्रकाश कर्दम, अमन प्रकाशन, कानपुर।

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक वितरण		**अंक 100**
प्रश्न 1	संक्षिप्त उत्तर लिखिए ।(चार में से दो)	20
प्रश्न 2	दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ।	20
प्रश्न 3	टिप्पणियाँ लिखिए । (चार में से दो)	20
प्रश्न 4	दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ।	20

Course Work

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल,

जून 2020 से, पीएच्.डी./एम्.फिल. (हिंदी)

प्रश्नपत्र –III (वैकल्पिक)

राजभाषा हिंदी

उद्देश्य–

- राजभाषा हिंदी की स्थिति,नीति, अनुपालन का अध्ययन कराना।
- स्वतंत्रतापूर्व राजकीय व्यवहार के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय कराना।
- स्वातंत्र्योत्तर काल में 'राजभाषा' के रूप में हिंदी के प्रचलन संबंधी के प्रयत्नों का परिचय कराना।
- राजभाषा विषय का समस्याओं से परिचित कराना।
- राजभाषा अनुपालन के विविध क्षेत्रों की जानकारी कराना।
- हिंदी के प्रयोजनमूलक रूप के द्वारा उपलब्ध कराने के अवसरों की जानकारी दिलवाना।
- राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति की जानकारी देना।

इकाई– 1.हिंदी की स्थिति तथा स्थान

1. राजभाषा हिंदी : परंपरा और विकास।
2. राजभाषा हिंदी : आज की अपेक्षाएँ ।
3. स्वतंत्रतापूर्वक राजकीय व्यवहार के रूप में हिंदी की स्थिति ।
4. स्वतंत्रता पश्चात 'राजभाषा' के रूप में हिंदी के प्रचलन विषयक प्रयत्न।

इकाई– 2.राजभाषा नीति और संविधान में प्रावधन

1. राजभाषा संबंधीः संवैधानिक सांविधानिक प्रावधान।
2. राजभाषा अनुपालन के विविध क्षेत्र : सचिवालय, विधान सभाएँ, मंत्रालय, शिक्षालय, लोकसेवा आयोग, न्यायालय, भारतीय जनसंचार माध्यम।

3. राजभाषा अधिनियम–1963 और 1976

इकाई– 3.राजभाषा : प्रयोजनमूलक स्वरूप

1. राजभाषा हिंदी : परिभाषा, स्वरूप।
2. राजभाषाःअनुवाद की हिंदी, यांत्रिक सुविधाएँ, सूचना प्राऔद्योगिक और हिंदी।
3. प्रयोजनमूलक हिंदी से रोजगार के अवसर।
4. प्रयोजनमूलक हिंदी विविध रूप।

इकाई– 4.राजभाषा : प्रयोग और समस्याएँ

1. राजभाषा का बैंक, विधि, सरकारी क्षेत्र, रक्षा,सूचना प्रसारण विभाग में राजभाषा का प्रयोग।
2. भारत की राजभाषा : समस्याएँ ।
3. राजनीतिक दल एवं भाषा नीति।

संदर्भ ग्रंथ

1. राजभाषा हिंदी : प्रकाशन, गृह मंत्रालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार।
2. राजभाषा हिंदी : डॉ.कैलाशचंद्र भाटिया,वाणी प्रकाशन, दिल्ली, प्र. सं. 1990
3. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम : अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर , प्र. सं. 2006
4. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, कानपुर, प्र. सं. 2006
5. राजभाषा हिंदी : संघर्षो के बीच, हरिबाबू कंसल, सुधांश, बन्धु प्रकाशन, नई दिल्ली
6. राजभाषा हिंदी : विविध पक्ष,देवर्षि कलानाथ शास्त्री दुलीचंद दिलीपकुमार बीकानेर, प्र. सं. 2003
7. हिंदी भाषाः इतिहास और स्वरूप, डॉ. राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र. सं. 2004
8. राजभाषा हिंदी : प्रसंग और संदर्भ, कृष्णलाल अरोडा, पुष्प प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004

9. हिंदी भाषा–आचार्य महावीर प्रसार द्विवेदी, द्वि इंटरनॅशनल, नई दिल्ली , प्र. सं. 2004

10. राजभाषा समस्या : व्यावहारिक समाधान, कन्हैयालाल गांधी, नॅशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली, प्र. सं. 1985

प्रश्न पत्र का स्वरूप		**अंक 80**
प्रश्न 1	संक्षिप्त उत्तर लिखिए ।(चार में से दो)	20
प्रश्न 2	दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ।	20
प्रश्न 3	टिप्पणियाँ लिखिए । (चार में से दो)	20
प्रश्न 4	दीर्घोत्तरी प्रश्न। (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20

Course Work

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल,

जून 2020 से, पीएच्.डी./एम्.फिल. (हिंदी)

प्रश्न पत्र क्रमांक–III (वैकल्पिक)

हिंदी उपन्यास विधा

उद्देश्य–

- हिंदी उपन्यास साहित्य के उद्गम, विकास का अध्ययन कराना।
- हिंदी उपन्यास साहित्य की विकास प्रक्रिया के समसामायिक परिवेश का अध्ययन कराना।
- हिंदी उपन्यास साहित्य पर विभिन्न प्रभावों का अध्ययन कराना।
- हिंदी उपन्यास साहित्य की विशिष्ट कृतियों का अध्ययन कराना।
- छात्रों को पठित लेखकों,लेखिकाओं के महत्व एवं उसके सामाजिक दायित्व बोध से परिचित कराना।

इकाई 1 –हिंदी उपन्यास का उद्भव तथा विकास।

1. हिंदी उपन्यास का उद्गम तथा विकास।
2. हिंदी उपन्यास का विकास प्रक्रिया का समसामायिक परिवेश।
3. हिंदी उपन्यास का तात्त्विक अध्ययन।
4. हिंदी उपन्यास का शिल्प विधान।

इकाई 2.अध्ययनार्थ कृतियाँ– भाग– 1

1. 'गोदान'–प्रेमचन्द।
2. 'मैला आँचल'–फणीश्वरनाथ रेणु।

इकाई 3. अध्ययनार्थ कृतियाँ – भाग 2

1. 'मानस का हंस'–अमृतलाल नागर
2. 'तमस'–भीष्म साहनी।

इकाई– 4अध्ययनार्थ कृतियाँ– भाग– 3

1. 'धरती धन न अपना'–जगदीश चन्द्र।
2. 'जिन्दगीनामा' –कृष्णा सोबती।

संदर्भ ग्रंथ–

1. डॉ.इंद्रनाथ मदान, आधुनिकता और हिंदी उपन्यास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. डॉ.नवलकिशोर, आधुनिक हिंदी उपन्यास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. डॉ.भीष्म साहनी, समजी मिश्र, भगवतीप्रसाद निदारिया (संपा), जाकीर हुसेन कालोज, दिल्ली।
4. डॉ.सुषमा धवन, हिंदी उपन्यास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. डॉ. शिवनारायण श्रीवास्तव, हिंदी उपन्यास, सरस्वती मंदिर, वाराणसी।
6. डॉ.रामचंद्र तिवारी, हिंदी का गद्य साहित्य, विस्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
7. डॉ.भारतभूषण अग्रवाल, हिंदी उपन्यास पर पाश्चात्य प्रभाव, ऋषभचरण जैन एवं सन्तति, दिल्ली।
8. डॉ.गोपाल राय, हिंदी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. डॉ.गोपाल राय, उपन्यास का संरचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. डॉ.रामदरश मिश्र, हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

प्रश्न पत्र का स्वरूप		**अंक 80**
प्रश्न 1	संक्षिप्त उत्तर लिखिए । (चार में से दो)	20
प्रश्न 2	दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ।	20
प्रश्न 3	टिप्पणियाँ लिखिए ।(चार में से दो)	20
प्रश्न 4	दीर्घोत्तरी प्रश्न। (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20

Course Work

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल,

जून 2020 से, पीएच्.डी./एम्.फिल. (हिंदी)

प्रश्नपत्र –III (वैकल्पिक)

हिंदी कहानी विधा

उद्देश्य–

- हिंदी कहानी साहित्य के उद्गम, विकास का अध्ययन कराना।
- हिंदी कहानी साहित्य की विकास प्रक्रिया के समसामायिक परिवेश का अध्ययन कराना।
- हिंदी कहानी साहित्य के विभिन्न प्रभावों का अध्ययन कराना।
- हिंदी कहानियों का शैल्पिक अध्ययन करना।
- हिंदी कहानी साहित्य की विशिष्ट कृतियों का अध्ययन कराना।
- छात्रों को पठित लेखकों,लेखिकाओं के महत्व एवं उसके सामाजिक दायित्व बोध से परिचित कराना।

इकाई 1.कहानी उद्भव एवं विकास

1. हिंदी कहानी का उद्गम एवं विकास एवं विविध आंदोलन।
2. हिंदी कहानी की विकास प्रक्रिया का समसामयिक परिवेश।
3. हिंदी कहानी का तात्विक अध्ययन।
4. हिंदी कहानी का शिल्प विधान।

इकाई 2.अध्ययनार्थ कृतियाँ

1. पच्चीस साल की लडकी – ममता कालिया
2. संघर्ष–डॉ.सुशीला टाकभौरे

इकाई 3.अध्ययनार्थ कृतियाँ

1. एक रात, ध्रुवयात्रा और अन्य कहानियाँ– जैनेंद्र
2. ठाकुर का कुआँ–प्रेमचंद

इकाई 4. अध्ययनार्थ कृतियाँ

1.आँधी–जयशंकर प्रसाद

2.एक दलित लडकी की कथा– बच्चनसिंह

संदर्भ ग्रंथ–

1. ममता कालियाँ, पचीस साल की लडकी, प्रज्ञान प्रकाशन, गाजियाबाद।
2. डॉ.सुशीला टाकभौरे, संघर्ष, ज्योतिलोक प्रकाशन, दिल्ली।
3. जैनेंद्र, एक रात, ध्रुवयात्रा और अन्य कहानियाँ, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली।
4. प्रेमचंद, ठाकुर का कुआँ, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।
5. जयशंकर प्रसाद, आँधी, भारती भंडार, लीडर प्रेस, इलाहाबाद।
6. बच्चनसिंह, एक दलित लडकी की कथा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
7. डॉ. गोपालराय, हिंदी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. जैनेंद्र कुमार, कहानी : अनुभव और शिल्प, पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. डॉ.विवेक राय, हिंदी कहानी : समीक्षा और संदर्भ, राजीव प्रकाशन प्रकाशन।
10. रजनीश कुमार,हिंदी कहानी के आंदोलन : उपलब्धियाँ और सीमाएँ, नैशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली।
11. डॉ.लक्ष्मीनारायण लाल, हिंदी कहानी की शिल्प विधा का विकास, साहित्य भवन, इलाहाबाद।

प्रश्नपत्र का स्वरूप		**अंक 80**
प्रश्न 1	इकाई 1 –संक्षिप्त उत्तर लिखिए ।(चार में से दो)	20
प्रश्न 2	इकाई 2 –दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ।	20
प्रश्न 3	इकाई 3 –टिप्पणियाँ लिखिए । (चार में से दो)	20
प्रश्न 4	इकाई 4 –दीर्घोत्तरी प्रश्न। (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20

Course Work

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल,

जून 2020 से, पीएच्.डी./एम्.फिल. (हिंदी)

प्रश्नपत्र –III (वैकल्पिक)

नाटक विधा

उद्देश्य–

- हिंदी नाटक साहित्य के उद्भव, विकास का अध्ययन कराना।
- हिंदी नाटक साहित्य की विज्ञान प्रक्रिया के समसामायिक परिवेश का अध्ययन कराना।
- हिंदी नाटकों का शैल्पिक अध्ययन करना।
- हिंदी नाटक के मंथन से अवगत कराना।
- हिंदी नाटक साहित्य की विशिष्ट कृतियों का अध्ययन कराना।
- छात्रों को पठित लेखकों/लेखिकाओं के महत्व एवं उसके सामाजिक दायित्व बोध से परिचित कराना।

इकाई– 1.हिंदी नाटक का उद्भव तथा विकास

1. हिंदी नाटक का उद्भव, विकास एवं विविध विचारधाराओं का प्रभाव।
2. हिंदी नाटक का विकास प्रक्रिया का समसामयिक परिवेश।
3. हिंदी नाटक का तात्विक अध्ययन।
4. हिंदी नाटक का शिल्प विधान।
5. हिंदी नाटक की मंचयता।

इकाई– 2. अध्ययनार्थ रचनाएँ–भाग 1

1. सिंदूर की होली–लक्ष्मीनारायण मिश्र
2. 'आषाढ का एक दिन'–मोहन राकेश

इकाई– 3. अध्ययनार्थ रचनाएँ–भाग 2

1. बकरी–सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
2. एक और द्रोणाचार्य–शंकर शेष

इकाई– 4.अध्ययनार्थ रचनाएँ–भाग 3

1. अंजोदीदी–उपेन्द्रनाथ अश्क
2. महाभोज–मन्नू भंडारी

संदर्भ ग्रंथ–

1. डॉ. विश्वनाथ मिश्र, हिंदी नाटक पर पाश्चात्य प्रभाव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. डॉ.गिरीश रस्तोगी, समकालीन हिंदी नाटककार, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली।
3. डॉ.दशरथ ओझा, आज का नाटक : प्रगति और प्रभाव, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली।
4. डॉ.दशरथ ओझा, हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली।
5. डॉ. रामचंद्र तिवारी, हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्‌लाय प्रकाशन, वाराणसी ।
6. जगदीशचंद्र माथुर, परम्पराशील नाटय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
7. डॉ.गिरीश रस्तोगी, हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली ।
8. डॉ.लवकुमार लवलीन, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना की नाट्यसाधना, अनुरोध प्रकाशन,नई दिल्ली– 41 ।
9. गोविंद चातक, हिंदी नाटक इतिहास के सोपान, तक्षशिला, प्रकाशन, नई दिल्ली– 02 ।

प्रश्न पत्र का स्वरूप		**अंक 80**
प्रश्न 1	संक्षिप्त उत्तर लिखिए ।(चार में से दो)	20
प्रश्न 2	दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ।	20
प्रश्न 3	टिप्पणियाँ लिखिए । (चार में से दो)	20
प्रश्न 4	दीर्घोत्तरी प्रश्न। (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20

Course Work

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल,

जून 2020 से, पीएच्.डी./एम्.फिल. (हिंदी)

प्रश्नपत्र III (वैकल्पिक)

कथेत्तर साहित्य

उद्देश्य–

- कथेतर साहित्य का उद्गम एंव विकास का अध्ययन कराना।
- कथेतर साहित्य की विशेषताओं तथा तत्वों का अध्ययन कराना।
- कथेतर साहित्य के विभिन्न रूपों से परिचित कराना।
- कथेतर साहित्य के प्रमुख रचनाकारों तथा कृतियों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- पाठित रचनाकारों तथा उनकी रचनाओं के वर्तमानकालीन महत्व से परिचित कराना।

इकाई 1. हिंदी कथेतर : उद्भव एवं विकास।

1. कथेतर साहित्य–निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, डायरी, रिपोर्ताज, यात्रा साहित्य का उद्गम तथा विकास।
2. कथेतर साहित्य के विकास प्रक्रिया के समसामयिक परिवेश।
3. कथेतर साहित्य की विशेषताएँ एवं तत्त्व।
4. कथेत्तर साहित्य का शिल्प–विधान।

इकाई 2.अध्ययनार्थ कृतियाँ भाग –I

1. शृंखला की कडियाँ (निबंध)–महादेवी वर्मा।
2. कलम का सिपाही(जीवनी)–अमृतराय।

इकाई 3. अध्ययनार्थ कृतियाँ–भाग–II

1. क्या भूलँ क्या याद करूँ (आत्मकथा) –हरिवंशराय बच्चन।
2. माटी की मूरतें (रेखाचित्र) –रामवृक्ष बेनीपुरी।

इकाई– 4अध्ययनार्थ कृतियाँ– भाग III

1. अरे यायावर रहेगा याद (यात्रा वृंत्तात)–अज्ञेय।
2. सीमान्त डायरी : कश्मीर से कच्छ तक (डायरी)– मनोहर श्याम जोशी।

संदर्भ ग्रंथ -

1. शृंखला की कडियाँ– महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. कलम का सिपाही–अमृतराय, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. क्या भूलूँ क्या याद करूँ–हरिवंशराय बच्चन, राजपाल एण्ड सन्ज प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. माटी की मूरतें–रामवृक्ष बेनीपुरी, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ।
5. अरे यायावर रहेगा याद–अज्ञेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. सीमांत डायरी :कश्मीर से कच्छ तक से कच्छ तक–मनोहर श्याम जोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. हिंदी साहित्य : संवेदना और समय–रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. हिंदी आत्मकथा–सविता सिंह, शैलजा प्रकाशन, कानपुर।

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक वितरण		अंक 80
प्रश्न 1	संक्षिप्त उत्तर लिखिए ।(चार में से दो)	20
प्रश्न 2	दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ।	20
प्रश्न 3	टिप्पणियाँ लिखिए । (चार में से दो)	20
प्रश्न 4	दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ।	20

Note: 80 marks for theory exam and for 20 marks for presentation of review of published papers in National/International Journals for Ph.D. Course work and 10 + 10 marks seminar and review of paper respectively for M. Phil Course.